Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to restore the rituals by Purohits at Bank of Ganga River near Prayagraj.

श्रीमती केशरी देवी पटेल (फूलपुर) : अध्यक्ष महोदय, बहुत-बहुत धन्यवाद । महोदय, मैं आपका ध्यान संगम नगरी की तरफ आकृष्ट कराना चाहती हूं । प्रयागराज में गंगा के किनारे लकड़ी के तख्त जो सैकड़ों वर्षों से स्थापित थे, धार्मिक मान्यताओं के अनुसार तीर्थ पुरोहितों द्वारा पूजा कराई जाती रही है । इसी स्थान से सम्पूर्ण राष्ट्र एवं विदेशों से आने वाले तीर्थ यात्रियों को धार्मिक कार्यों में तीर्थ पुरोहितों के कर कमलों द्वारा सम्पन्न कराया जाता है । दिनांक 14.11.2019 को दिन में एक बजे उनके सारे तख्ते जेसीबी और तमाम बड़ी मशीनों द्वारा सेना के लोगों ने पलट दिए, तहस-नहस, ध्वस्त कर दिए । इससे हमारे पुरोहितों में बहुत असंतोष है । अत: मैं आपसे मांग करती हूं कि उन्हें स्थायी रूप से गंगा के किनारे जगह आवंटित की जाए, जिससे उनका सदियों से चला आ रहा यह पूजा-पाठ चलता रहे और हम सबका मान-सम्मान बना रहे । यह मेरे संसदीय क्षेत्र में है, जिसमें लोगों की आवाजाही है, इसलिए मैंने आपसे यह निवेदन किया है । धन्यवाद ।

माननीय अध्यक्ष : कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्रीमती केसरी देवी पटेल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।